

pro r; fortasse gr. *χλόα, χλόος* cet. e *χαλοα, χα-
λός; χιλός* e *χαλός*; hib. *glas* «green, verdant, pale»;
germ. vet. *groit* virescit, *grúét* id., *gruanti* virens, *gruoti*
viror, *gróni, cróni* viridis, v. Graff 4. 298.)

हरित *i. q.* हरित् . A. 4. 50.

हरिवाहन *m.* (flavos *vel* e gilvo nigricantes equos
habens, e हरि et वाहन equus) nomen *Indri*. IN. 5.
54.

हरीतकी *f.* (a हरित producto इ s. क in *fem.*) nomen
plantae. (Wils.: *Yellow or chebulic myrobalan*, Ter-
minalia chabula.)

हर्म्य *n.* palatium. HIT. 39. 20.

हृत् 1. *p. i. q.* हृत् . In *dial. Véd.* amare. RIGV. 93. 7.
Precari. RIGV. 55. 4. Minari. RIGV. 57. 2.

c. प्रति in *dial. Véd.* amare, gratum habere. RIGV. 40. 6.
57. 4. 93. 1.

हर्ष *m.* (r. हृष् gaudere s. अ) gaudium. IN. 2. 25.

हृत् 1. *p.* arare. *Vid. sq.*

हत्त *n.* (r. हत्त् s. अ) aratrum. AM.

हविस् *n.* (r. ह्व Diis offerre suff. इस्) butyrum purifica-
tum. BH. 4. 24.

हव्य *n.* (r. ह्व Diis offerre s. य) quod offertur, offerendum
Diis. SU. 2. 10.

हव्यवाह *m.* (qui aufert, consumit diis oblata, e
हव्य et वाह ferens, auferens a r. वह् s. अ) ignis. DR.
2. 10.

हव्यवाहन *m.* (e हव्य et वाहन ferens, auferens, a r.
वह् s. अ) ignis (v. praec.). IN. 5. 14.

हृत् 1. *p.* ridere, subridere. R. Schl. I. 46. 17.: जहासच
मुमोचच; MAH. 3. 3003.: हसिष्यन्ति. (Fortasse हृत् e
धृत्, quod in Intens. formaret दाधृत्, ad quod gr. *τω-
θεία, τω-θάζω* referri possent.)

c. अप deridere, irridere, c. acc. R. Schl. II. 35. 31. —
Caus. id. R. Schl. II. 78. 17.

c. अत्र *id.* MAH. 3. 11181.

c. उप *id.* GHAT. 17.

c. प्र ridere. H. 4. 1. 41. BR. 3. 22. — *C. acc.* ridere, irri-
dere alqm. N. 12. 117.

c. प्र praef. सम् ridere. MAH. 1. 3431.

c. त्रि *id.* MAH. 1. 4225. — *C. acc.* irridere. MAH. 1. 4762.

हस्त *m.* manus, et *elephanti* proboscis. DR. 5. 17. H. 3. 9.

हस्तिन् *m.* (a praec. s. इन्) elephantus. IN. 3. 9.

हस्तिप *m.* (e हस्तिन् et प q. v.) elephantorum custos.
V. sq.

हस्तिपक *m.* (a praec. s. क) *id.* HIT. 58. 21.

1. हा 3. *p.* (anom. v. gr. 370., gerund. ह्वा, part. pass.

हीन, c. परि et प्र परिहीण, प्रहीण) relinquere, de-
serere. R. Schl. I. 1. 39.: ह्वा तं शैलम्; II. 56. 3.: ज-

है निद्राञ्च तन्द्राञ्च; SA. 6. 37.: नै नञ् जहाम्य अहम्;
N. 11. 3. BH. 2. 33. — RAGH. 14. 61.: भार्याम् अहासोः

2) amittere, privari, orbari. R. Schl. II. 12. 84.: कौशल्या
माञ्च रामञ्च पुत्रञ्च यदि हास्यति ... माम् एवा 'नु-

मरिष्यति. — *Pass.* 1) relinqui, deseri. HIT. 126. 21.:
कामः सर्वात्मना ह्येयः; A. 3. 17.: नच मे हीयते प्रा-

णः. 2) privari. *cum instrum. vel ablat. vel accus.* BR. 2.
20.: तौच हीनौ मया बालौ वयाचै 'व ... विनश्ये-

ताम्; MAN. 5. 161.: पतिलोकाञ्च हीयते; R. Schl. II.
64. 5.: ताम् आशाम् मत्कृते हीनौ. 3) viribus privari,

debilitari, confici, exhausti, tabescere. MAH. 1. 6291.:
हीयमानन् तद् रत्नः समोद्व्यः; v. praef. परि. — हीन

malus, vilis. N. 19. 14.. — *Caus.* हापयामि relinquere,
deserere facio, *inde* abstraho, detraho, derogo. MAH. 3.

1463.: शक्तिन् न हापयिष्यति ते काले प्रतिपूजिताः
Omittere. MAN. 3. 71.: पञ्चै तान् यो महायज्ञान् न

हापयति. (Gr. *χῆ-ρος, χῆ-ρα*; fortasse lat. *habeo*,
goth. *haba, habais* = *Caus.* हापयामि.)

c. अप 1) relinquere. N. 24. 11. 13. 2) excipere, excep-
tare, *in gerund.* A. 3. 47.: अमरवम् अपहाय ब्रूहि यत्

ते मनोगतम्. *V. 2.* वृत्.
c. अत्र *i. q. simpl.* — *Pass.* relinqui, restare. MAH. 3.
11558.

c. अत्र praef. त्रि relinquere. MAH. 3. 13661.
c. परि relinquere. *Pass.* 1) relinqui. HIT. 53. 14. 2) pri-